देहरादून (उत्तराखण्ड)
शुक्रवार 10.04.2026
समय 07.20

पहले मुख्य समाचार :–

- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चारधाम यात्रा–2026 की तैयारियों की समीक्षा की। तीर्थयात्रा के सुरक्षित, सुव्यवस्थित और तकनीक रूप से सशक्त संचालन के दिए निर्देश।
- पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने चारधाम यात्रा के दौरान हेली टिकटों की कालाबाजारी रोकने पर जोर दिया। कहा– हेली सेवाओं में किसी भी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।
- हरिद्वार में पारिस्थितिकी–संवेदनशील नदी–तट विकास को बढ़ावा देने की दिशा में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरु।
- आपदा प्रबंधन की तैयारियों को मजबूती देने के लिए प्रदेश के सात जिलों में आज मॉक ड्रिल आयोजित की जाएगी।

चारधाम यात्रा समीक्षा

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चारधाम यात्रा के सुरक्षित, सुव्यवस्थित और तकनीक रूप से सशक्त संचालन के निर्देश दिए हैं। देहरादून में चारधाम यात्रा–2026 की तैयारियों की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि यात्रा के संचालन के लिए सख्त कार्ययोजना तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा सरकार की व्यक्तिगत जिम्मेदारी है और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

सचिवालय में आयोजित उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि इस बार "हरित तथा स्वच्छ चारधाम यात्रा" अभियान को और प्रभावी बनाया जाए। यात्रा मार्गों पर प्लास्टिक के उपयोग पर सख्ती से रोक लगाने और जगह–जगह कलेक्शन बॉक्स स्थापित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही यात्रा को लेकर अफवाह फैलाने वालों पर तत्काल एफआईआर दर्ज कर कड़ी कार्रवाई करने को भी कहा गया।

मुख्यमंत्री ने हेली सेवाओं के संचालन में पूरी सावधानी बरतने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी हेलीकॉप्टरों की नियमित मेंटेनेंस और फिटनेस जांच अनिवार्य हो। भीड़ नियंत्रण के लिए डिजिटल निगरानी और स्लॉट सिस्टम लागू करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि श्रद्धालुओं को दर्शन के लिए लंबा इंतजार न करना पड़े।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यात्रा मार्गों पर ओवररेटिंग रोकने के लिए सभी दुकानों पर रेट लिस्ट अनिवार्य रूप से प्रदर्शित की जाए। साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं, पेयजल, शौचालय और विश्राम स्थलों की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

निर्देश

पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने चारधाम यात्रा के दौरान हेली टिकटों की कालाबाजारी पर नजर रखने और इसे पूरी तरह रोकने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि चारधाम यात्रा के दौरान हेली सेवाओं में किसी भी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

देहरादून में चारधाम यात्रा–2026 की तैयारियों के संबंध में अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में पर्यटन मंत्री ने कहा कि यात्रा मार्गों पर शौचालयों की साफ–सफाई, पेट्रोल पंपों और होटलों में निःशुल्क शौचालय, पानी और वाहनों के लिए हवा की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान अराजक तत्वों पर सख्ती बरती जाए और सभी श्रद्धालुओं की स्वास्थ्य जांच अनिवार्य रूप से की जाए। साथ ही घोड़ा–खच्चरों के लिए भोजन, गर्म पानी और पशु चिकित्सकों की पर्याप्त व्यवस्था करने को कहा गया।

सतपाल महाराज ने भीड़ नियंत्रण के लिए प्रमुख स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे और कंट्रोल रूम स्थापित करने, संवेदनशील और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों में आपदा प्रबंधन टीम तैनात रखने तथा ट्रैफिक प्रबंधन के लिए मोटरसाइकिल का उपयोग बढ़ाने के निर्देश दिए गए।

स्वीकृति

उत्तराखंड में जनजातीय क्षेत्रों के विकास और युवाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत केंद्र सरकार ने "उत्तराखंड आदि लक्ष्य संस्थान" की स्थापना के लिए एक करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की है।

यह स्वीकृति मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के अनुरोध पर केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओराम द्वारा प्रदान की गई है। केंद्र सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025–26 के अंतर्गत इस संस्थान की स्थापना के लिए राशि जारी की है।

मुख्यमंत्री ने इस निर्णय के लिए प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि "आदि लक्ष्य संस्थान" की स्थापना से प्रदेश के जनजातीय युवाओं को कौशल विकास, शिक्षा और शोध के क्षेत्र में नए अवसर मिलेंगे।

उन्होंने कहा कि यह संस्थान जनजातीय समुदायों के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और राज्य सरकार इस दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।

देहरादून बुक फेस्टिवल

देहरादून में चल रहे दून बुक फेस्टिवल के छठे दिन रचनात्मक गतिविधियों, साहित्यिक चर्चाओं और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को खास बना दिया। बाल मंडप में बच्चों की सक्रिय भागीदारी और शाम को सांस्कृति कार्यक्रमों का आयोजन मुख्य आकर्षण रहे।

महोत्सव के दौरान बाल मंडप में आयोजित गतिविधियों में करीब 800 छात्रों ने हिस्सा लिया। बच्चों ने ऐपन आर्ट कॉर्नर में पारंपरिक लोक कला को समझा और स्टोरीटेलिंग, पिक्शनरी गेम तथा ज़ाइन मेकिंग वर्कशॉप जैसी गतिविधियों के माध्यम से सीखने और रचनात्मकता का अनुभव किया।

साहित्यिक सत्रों में भी दर्शकों की अच्छी उपस्थिति रही। चंद्रचूर घोष और अनुज धर ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जीवन और उनसे जुड़े पहलुओं पर चर्चा की। वहीं संजीव चोपड़ा ने साहित्य के माध्यम से इतिहास को समझने पर जोर दिया।

महोत्सव में आज भी विभिन्न गतिविधियां और सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें बच्चों और साहित्य प्रेमियों के लिए कई कार्यक्रम शामिल हैं।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

हरिद्वार में पारिस्थितिकी–संवेदनशील नदी–तट विकास को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरु हुआ। इसका आयोजन राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन और राष्ट्रीय शहरी कार्य संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में किया गया है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में उत्तराखण्ड के 14 रिवर सिटीज एलायंस से जुड़े विभिन्न शहरों– देहरादून, हरिद्वार, ऋषिकेश, श्रीनगर, उत्तरकाशी, विकासनगर, मुनि की रेती, काशीपुर, हल्द्वानी, रामनगर, टिहरी गढ़वाल, सेलाकुई, कोटद्वार और नैनीताल के अधिकारियों एवं प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया।

उद्घाटन अवसर पर राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के उप महानिदेशक वर्चुअल माध्यम से जुड़े और उन्होंने उत्तराखण्ड में पर्यावरण अनुकूल रिवरफ्रंट विकास को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आगामी कुम्भ मेले को ध्यान में रखते हुए हरिद्वार में इस प्रकार के प्रशिक्षण का विशेष महत्व है।

राष्ट्रीय शहरी कार्य संस्थान के टीम लीड लवलेश शर्मा ने राज्य में रिवरफ्रंट डेवलपमेंट की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि उत्तराखण्ड की समृद्ध नदी प्रणाली को देखते हुए यहां इको–सेंसिटिव विकास की संभावनाएं अधिक हैं।

इस प्रशिक्षण में हिमाचल प्रदेश की ओर से भी प्रतिभाग किया गया, जहां पांवटा साहिब में रिवरफ्रंट विकास कार्य चल रहा है। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न तकनीकी और व्यावहारिक पहलुओं पर चर्चा की जा रही है, जिससे राज्य में सतत और पर्यावरण अनुकूल नदी तट विकास को बढ़ावा मिलेगा।

मॉक ड्रिल

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में आज प्रदेश के सात जिलों में व्यापक मॉक ड्रिल आयोजित की जाएगी। यह अभ्यास सुबह 10 बजे राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र से शुरू होगा।

मॉक ड्रिल का उद्देश्य आपदा की स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया, समन्वय और राहत कार्यों की तैयारियों का आकलन करना है। इस दौरान विभिन्न विभागों के बीच तालमेल और आपातकालीन व्यवस्थाओं की प्रभावशीलता को भी परखा जाएगा।

समीक्षा

राज्य में मातृ एवं नवजात मृत्यु दर को कम करने के उद्देश्य से सचिव, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा सचिन कुर्वे की अध्यक्षता में देहरादून और चम्पावत जिलों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान सचिव ने दोनों जिलों की ए.एन.एम से सीधे संवाद कर जमीनी स्तर पर सामने आ रही चुनौतियों की विस्तृत जानकारी ली।

सचिव स्वास्थ्य ने कहा कि प्रत्येक गर्भवती महिला तक समय पर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना पूरे स्वास्थ्य तंत्र की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने विशेष रूप से दुर्गम और सुदूर क्षेत्रों में हेली सेवाओं, समयबद्ध परिवहन व्यवस्था और सशक्त फील्ड मॉनिटरिंग के माध्यम से मातृ एवं नवजात मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी लाने पर बल दिया।

उन्होंने सभी जिलों को निर्देश दिए कि परिणाम आधारित कार्ययोजना तैयार कर उसे तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए। साथ ही स्पष्ट किया कि किसी भी स्तर पर लापरवाही को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बैठक/मंथन

देहरादून में मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन की अध्यक्षता में एशियाई विकास बैंक–एडीबी और राज्य सरकार के निर्माण संबंधी विभागों के साथ बैठक में विभिन्न विकास परियोजनाओं पर चर्चा हुई। इस दौरान प्रदेश में चल रही परियोजनाओं की समीक्षा के साथ नए प्रस्तावों पर भी मंथन किया गया।

मुख्य सचिव ने कौशल विकास को प्राथमिकता देते हुए प्रत्येक ज़िले में मॉडल कौशल केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन केंद्रों में युवाओं के प्रशिक्षण के साथ प्रमाणन और 100 प्रतिशत प्लेसमेंट पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

बैठक में लोक निर्माण विभाग से पुल निर्माण और भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों के उपचार से जुड़े प्रस्ताव एडीबी को भेजने के निर्देश दिए गए। साथ ही टिहरी झील रिंग रोड परियोजना को भी एडीबी से वित्तपोषित कराने की बात कही गई।

मुख्य सचिव ने उद्यान विभाग की योजनाओं, अर्बन मोबिलिटी और शहरी नियोजन से जुडत्री परियोजनाओं को भी एडीबी में शामिल करने पर जोर दिया।